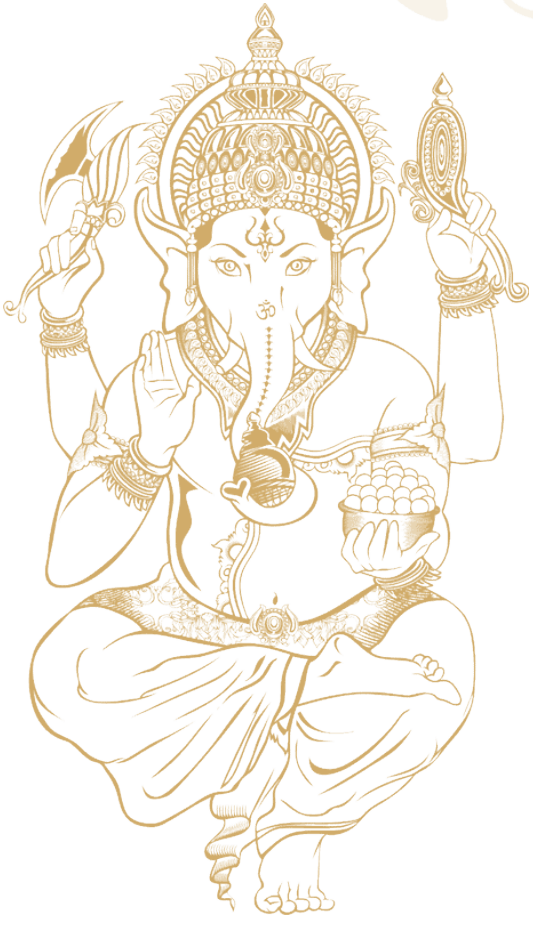

Mr.Rita

20 Apr 1999

06:34 PM

Pratapgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121734402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/04/1999**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:34:00 घंटे**
इष्ट	32:27:08 घटी
स्थान	**Pratapgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:52:00 उत्तर
रेखांश	82:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:32:08 घंटे
वेलान्तर	00:00:58 घंटे
साम्पातिक काल	08:24:51 घंटे
सूर्योदय	05:35:08 घंटे
सूर्यास्त	18:27:07 घंटे
दिनमान	12:51:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	06:10:06 मेष
लग्न के अंश	08:29:32 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	08:29:32	317:31:54	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			मेष	06:10:06	00:58:36	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	07:07:26	14:21:41	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल	व		तुला	11:47:47	00:21:37	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध			मीन	09:02:41	01:09:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मीन	21:52:22	00:14:17	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			वृष	15:29:13	01:09:37	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	स्वराशि
शनि		अ	मेष	12:01:34	00:07:39	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	नीच राशि
राहु	व		कर्क	25:25:04	00:04:21	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	25:25:04	00:04:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:32:47	00:01:31	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	10:27:02	00:00:32	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:16:30	00:01:08	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	10:02:45	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:38

लग्न-चलित

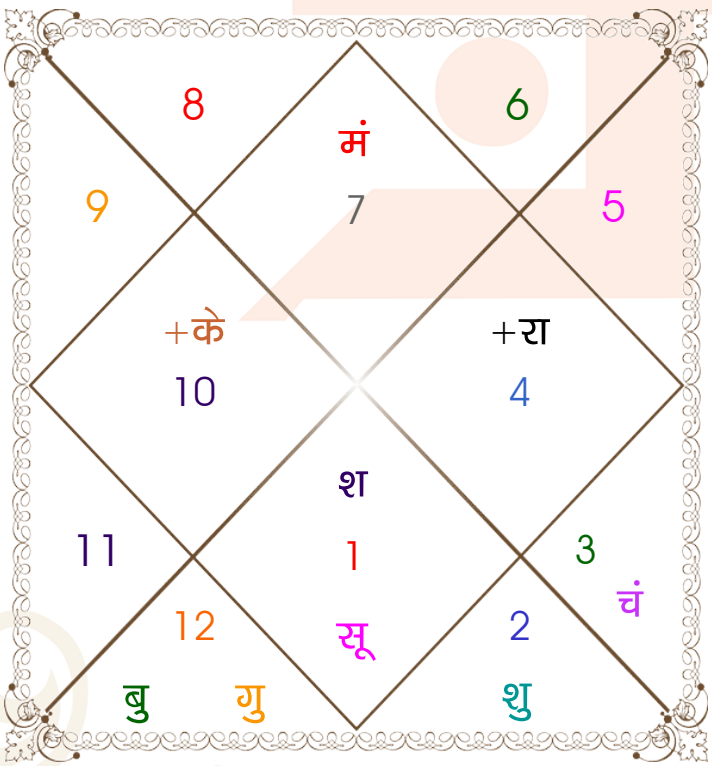

चन्द्र कुंडली

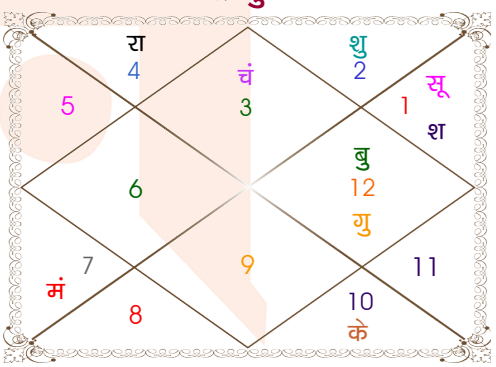

नवमांश कुंडली

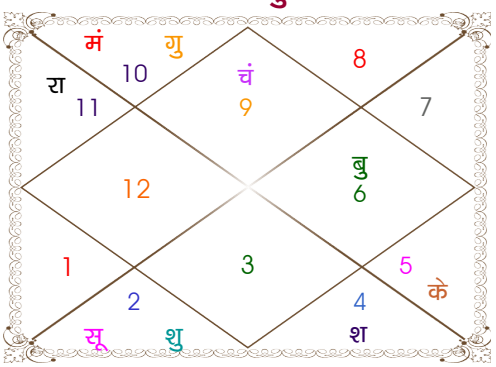

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 4 मास 18 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/04/1999		06/09/2016		06/09/2032		07/09/2051		06/09/2068	
06/09/2016		06/09/2032		07/09/2051		06/09/2068		07/09/2075	
राहु	20/05/2001	गुरु	26/10/2018	शनि	10/09/2035	बुध	03/02/2054	केतु	03/02/2069
गुरु	14/10/2003	शनि	08/05/2021	बुध	20/05/2038	केतु	31/01/2055	शुक्र	05/04/2070
शनि	20/08/2006	बुध	14/08/2023	केतु	29/06/2039	शुक्र	01/12/2057	सूर्य	10/08/2070
बुध	08/03/2009	केतु	20/07/2024	शुक्र	29/08/2042	सूर्य	07/10/2058	चंद्र	12/03/2071
केतु	27/03/2010	शुक्र	21/03/2027	सूर्य	11/08/2043	चंद्र	08/03/2060	मंगल	08/08/2071
शुक्र	26/03/2013	सूर्य	07/01/2028	चंद्र	11/03/2045	मंगल	05/03/2061	राहु	25/08/2072
सूर्य	18/02/2014	चंद्र	08/05/2029	मंगल	20/04/2046	राहु	22/09/2063	गुरु	01/08/2073
चंद्र	20/08/2015	मंगल	14/04/2030	राहु	24/02/2049	गुरु	28/12/2065	शनि	10/09/2074
मंगल	06/09/2016	राहु	06/09/2032	गुरु	07/09/2051	शनि	06/09/2068	बुध	07/09/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/09/2075		07/09/2095		08/09/2101		08/09/2111		08/09/2118	
07/09/2095		08/09/2101		08/09/2111		08/09/2118		00/00/0000	
शुक्र	07/01/2079	सूर्य	26/12/2095	चंद्र	09/07/2102	मंगल	04/02/2112	राहु	21/04/2119
सूर्य	07/01/2080	चंद्र	25/06/2096	मंगल	07/02/2103	राहु	22/02/2113		00/00/0000
चंद्र	07/09/2081	मंगल	31/10/2096	राहु	08/08/2104	गुरु	29/01/2114		00/00/0000
मंगल	07/11/2082	राहु	25/09/2097	गुरु	08/12/2105	शनि	09/03/2115		00/00/0000
राहु	06/11/2085	गुरु	14/07/2098	शनि	09/07/2107	बुध	06/03/2116		00/00/0000
गुरु	07/07/2088	शनि	26/06/2099	बुध	08/12/2108	केतु	02/08/2116		00/00/0000
शनि	07/09/2091	बुध	03/05/2100	केतु	09/07/2109	शुक्र	02/10/2117		00/00/0000
बुध	08/07/2094	केतु	07/09/2100	शुक्र	09/03/2111	सूर्य	07/02/2118		00/00/0000
केतु	07/09/2095	शुक्र	08/09/2101	सूर्य	08/09/2111	चंद्र	08/09/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरूदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।